आज दिनांक-12 फरवरी 2008 को शाम 5.00 बजे महाविद्यालय के कार्यालय मे एक मीटिंग हुयी जिसकी अध्यक्षता प्रबन्धक विनय त्रिवेदी ने किया। मीटिंग का उद्देश्य इन्टर्नल क्वालिटी एश्योरेन्श सेल की स्थापना करना था। इसके स्थान पर अभी तक क्वालिटी सर्किल नामक प्रकोष्ठ था। मीटिंग मे निम्नलिखित स्टाफ उपस्थित थे।

1- विनय त्रिवेदी	[illegible]
2- विवेक त्रिवेदी	[illegible]
3- प्राचार्य	[illegible]
4- डा॰ यू॰ वी॰ सिंह	[illegible]
5- डा॰ ममता द्विवेदी	[illegible]
6- डा॰ पुलाव वर्मा	[illegible]
7. के॰ के॰ गुप्ता	[illegible]
8 श्री शिवसरन वर्मा	[illegible]
9. " जितेन्द्र तिवारी	[illegible]
10 " प्रदीप पाण्डेय	[illegible]
11. अमित श्रीवास्तव	[illegible]
12- रवीन्द्र शुक्ला	[illegible]
13. आदित्य नारायण	[illegible]
14. " विमल तिवारी	[illegible]
15- सत्यनारायण वर्मा	[illegible]
16. कृपाल सिन्धु	[illegible]
17. संजय मिश्रा	[illegible]
18- महेन्द्र त्रिवेदी	[illegible]
19. उमाकान्त मिश्रा	उमाकान्त
20. रामनरेश	रामनरेश
21- नन्दकिशोर	नन्दकिशोर
22- प्रमोद	[illegible]
23- जागेश्वर	जागेश्वर
24- अमरनाथ	[illegible]

Scanned by CamScanner

(4)

25- Devendra Kumar — Devendra Kumar
26- धर्मेन्द्र — Dhume
27- सुशील — Sushil
28- कुलजयी — कुलजयी
29- राम बाबू — राम बाबू
30- अतुल — Atul
31- अखिलेश — Akhilesh
32- दुष्यंन्त — दुष्यंन्त
33- [illegible] — [illegible]

मीटिंग को सम्बोधित करते हुये प्रबन्धक जी ने सूचित किया की उच्च शिक्षण संस्थानो मे शिक्षा की गुणवत्ता एवं स्तर मे मौलिक सुधार लाने की आवश्यकता को ध्यान मे रखते हुये शिक्षण संस्थानो की कार्यप्रणाली का मूल्यांकन करके ग्रेडिंग देने का निर्णय लिया गया है ग्रेडिंग देने का कार्य बंगलौर मे बनी हुयी नेशनल असेसमेन्ट एण्ड एक्रीडेशन काउंसिल (NAAC) द्वारा किया जायेगा। इस निर्णय को सुचारु रूप से लागू करने के लिए तथा शिक्षण एवं प्रशिक्षण को आधुनिक ढंग से सुचारु रूप से चलाने के लिए नैक द्वारा आई (IQAC) की स्थापना के लिए सुझाव दिया गया है हमने कुछ समय पहले अपने महाविद्यालय मे क्वालिटी सर्किल की स्थापना किया था जिसका भी उद्देश्य शिक्षा के प्रत्येक स्तर पर गुणवत्ता लाना था अब (NAAC) के परामर्श के अनुसार उस सर्किल के स्थान पर IQAC नामक प्रकोष्ठ की स्थापना करना है इस प्रकोष्ठ का मुख्य उद्देश्य यह देखना है कि उच्च कोटि की प्रौद्योगिकी एवं

मानव संसाधनों का भली भाँति प्रयोग करते हुये उच्च कोटि की शिक्षा दी जा रही है अथवा नहीं। यदि संस्था मे कभी कोई कमी पायी जाती है तो इस प्रकोष्ठ के पदाधिकारी उसे दूर करने का प्रयास करेंगे। प्रकोष्ठ का यह भी कर्तव्य है कि वह यह देखे कि छात्र एवं छात्राओं को इस प्रकार की शिक्षा दी जाए जिससे वे लोग स्वावलम्बी बनें, अच्छे नागरिक बनें समाज एवं देश मे होने वाले परिवर्तनों के अनुरूप अपने मे परिवर्तन ला सकें तथा जहाँ-2 शिक्षक के रूप मे नियुक्त किए जाएं वहाँ-2 उसी प्रकार की शिक्षा अपने छात्रों को दे सकें।

यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि छात्र/छात्राओं को संस्था की ओर से दी जाने वाली सुविधाओं एवं सहयोग की ओर भी प्रकोष्ठ का ध्यान होगा इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं कल्याणकारी योजनाओं के बारे मे भी प्रकोष्ठ विचार करेगा। वर्तमान मे जिस प्रकार से टीचिंग एवं नान टीचिंग स्टाफ से सहयोग मिल रहा है उसी प्रकार का सहयोग भविष्य मे भी मिलता रहेगा। प्रकोष्ठ भवन, खेलकूद, पुस्तकालय एवं प्रयोगशालाओं सम्बन्धी सुविधाओं एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर पर भी ध्यान केन्द्रित करेगा। संक्षेप मे महाविद्यालय की प्रत्येक प्रकार की कार्यप्रणाली पर आन्तरिक एवं बाह्य दृष्टि रखते हुये शिक्षा एवं प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए प्रकोष्ठ कार्य करेगा।

प्रकोष्ठ मे निम्नलिखित कार्यकर्ताओं का चयन किया गया।

1. विनय त्रिवेदी — अध्यक्ष Vinod
2. विवेक त्रिवेदी — उपाध्यक्ष
3. प्राचार्य
4. डा० यू. वी. सिंह
5. डा० प्रवीन कुमार
6. अमित कुमार श्रीवास्तव — पु० अध्यक्ष Srivastava

प्रकोष्ठ सम्बन्धी लिखना पढ़ो तथा रिकार्ड रखने का कार्य आदित्य नारायण त्रिपाठी को नियुक्त किया गया।

अध्यक्ष महोदय ने धन्यवाद देते हुये क्लास की मीटिंग को समाप्त किया।

विनय त्रिवेदी

(प्रबन्धक अध्यक्ष)

श्री शक्ति डिग्री कालेज
साखाँहरी, घाटमपुर, कानपुर नगर

Scanned by CamScanner